शीर्षक/कार्य : लाईब्रेरी

समूह का नाम	गांव	पंचायत	प्रखंड	जिला
अल गुरु पंडित रधुनाथ मेमोरियल क्लब	हरदा	कांटशोल	डुमरिया	पूर्वी सिंहभूम

01 पुर्व की स्थिति

पूर्वी सिंहभूम के डुमरिया प्रखंड पंचायत कांटाशोल के हॉडदा ग्राम में, JTDS के तहत JTELP के कर्मियों द्वारा भ्रमण 18–35 साल के युवाओं के साथ बैठक करने के उपरांत यह पाया गया कि उक्त ग्राम के युवाओं की पढ़ाई में रुचि बहुत है परन्तु प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने में काफी दिक्कत हो रही है, प्रतियोगिता परीक्षा हेतु किताब की कमी के बावजूद युवा युवतियां संगठित होकर अध्ययन करती है।

02 JTPL परियोजना के बाद की स्थिति

JTELP परियोजना अन्तर्गत युवा समूह का गठन की गई जिसका नाम अल गुरु पंडित रघुनाथ मुर्मू युवा संघ रखा गया जो कि मिश्रित समूह है जिसकी सदस्य की संख्या 15 है। शुरुआती प्रथम चरण में युवा समूह को 20000 रुपये मात्र की बीज पुँजी उपलब्ध कराई गई। जिसमें समूह द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा के लिए किताब खरीदी गई। समूह में पढने हेतु प्रेरित की गई। जिसमें छात्रों के बीच परस्पर समझदारी विकसित हुई। जिसमें समूह का बैठक व बचत नियमित हो गई। युवाा समूह द्व ारा 10 रुपये प्रतिमाह बचत कह जा रही है। साथ ही साथ प्रतियोगिता किताब की लेन– देन हेतु नियमावली तैयार की गई।

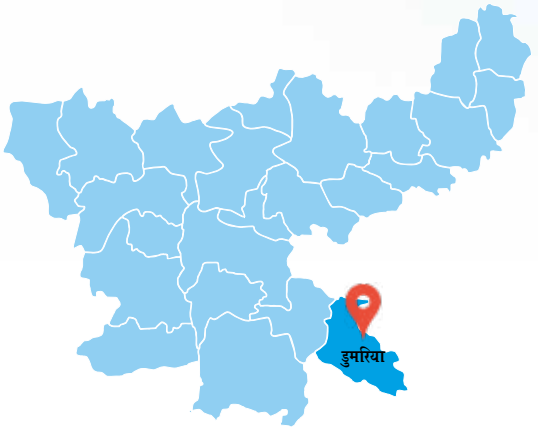

03 प्रभाव एवं भविष्य की योजना

आज 6 छात्र सरकारी नौकारी में अपना योगदान दे रहे हैं जो की निम्न हैं – कुँवर मूर्मु एवं धरमाल हाँसदा का रेलवे में, रामदास मुर्मू का सहायक पुलिस में एवं सोलमा मार्डी एवं चैतन सोरेन का होम गार्ड में नौकरी हुआ। JTDS द्वारा द्वितीय चरण में 20000 रुपये की बीज पुँजी उपलब्ध कराई। जिसमें युवा समूह के सदस्यों ने प्रथम computer की खरीद की जिससे छात्रों को form भरने की सहूलियत हो रही है साथ ही साथ Vacancy के बारे में पता चल जा रही है। धीरे –ध ीरे लाइब्रेरी से लाभ लेने वालों की संख्या में बढोतरी हो रही है और उम्मीद करते हैं कि Library का विस्तार होगा जिससे सटे ग्रामों के छात्र लाभ उठा पायेगें।

शीर्षक/कार्य : विकास की ओर अग्रसर युवा समूह

समूह का नाम	गांव	पंचायत	प्रखंड	जिला
आदिवासी तारा युवा समूह	औराटाड़	जुंगूर	मनिका	लातेहार

01 पुर्व की स्थिति

औराटाँड़ ग्राम में बेरोजगार युवाओं की संख्या दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही थी। गांव में काम ना मिलने के कारण गांव के युवा काम की तालाश में शहर की ओर पलायन कर रहे थे। जिससे गांव में काफी संख्या में युवाओ की संख्या घटती जा रही थी। जिससे कृषि के दिनो में भी खेती करने हेतु युवाओ को खोजने पर भी युवा नहीं मिलते थे। साथ ही गांव में वर्ष भर काम न मिलने पर बहुत से युवा सिर्फ इधर–उधर भटकते नजर आते थे। युवाएं अपने भविष्य को लेकर पथभ्रमित होते जा रहे थे। युवाओ के बीच में उनकी व्यवसाय/पेशा को लेकर किसी प्रकार की जागरूकता नहीं थी। वे दिगभ्रमित होकर गलत आदते जैसे–नशाखोरी, जुआ खेलने इत्यादि का शिकार हो रहे थे।

गांव के युवा संगठित होकर कोई काम नहीं करते थे एवं अपने बहुमूल्य समय को जाया करते थे। आय अर्जन इत्यादि मे भी उनकी कोई रूची नहीं होती थी।

02 JTPL परियोजना के बाद की स्थिति

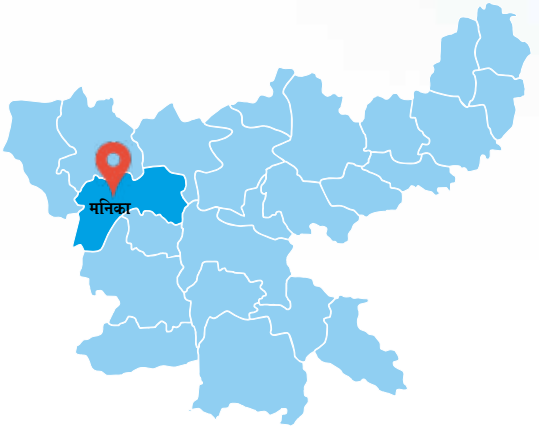

वर्ष 2016 में झारखण्ड आदिवासी सशक्तिकरण एवं आजीविका परियोजना के अंतर्गत जुंगूर ग्राम में दिनांक–04.10.2016 को आदिवासी तारा युवा समूह का गठन किया गया। इस युवा समूह में कुल 15 सदस्य हैं। परियोजना के अंतर्गत युवा समूह को कुल 40,000रू0 दो किस्तो में (20,000/किस्त) में उपलब्ध कराया गया था। एवं माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार द्वारा 25,000रू0 की अनुदान राशि उपलब्ध करायी गयी। उपलब्ध राशि से युवा अपनी व्यक्तिगत जरूरतो के लिए ऋण लेते एवं चुकाते है। योजना तैयार कर युवा समूह द्वारा उपलब्ध बीज पूंजी, अनुदान राशि एवं बचत राशि का उपयोग कर मछली पालन किया गया जिसके अंतर्गत 30000रू की लागत से कुल 80000 जीरा छोड़ा गया। युवा समूह के सदस्यो द्व ारा बारी–बारी से मछलीयों की देखभाल की गई एवं उनकी मेहनत का फल सामने आया।

03 प्रभाव एवं भविष्य की योजना

मछलीपालन करके युवा समूह द्वारा कुल 60000रू0 की आमदनी की गई। सारे सदस्य एकजुट होकर मछलीपालन कर काफी उत्साहित नजर आते है। उनके बीच संगठित होकर काम करने की भावना जागी है एवं वे अपने गांव के अन्य युवाओ के लिए प्रेरणा के श्रोत बन गए है। खाली समय में ये युवा अपने गांव के गरीब बच्चों को निःशुल्क टयूशन पढ़ाते है। अब ये युवा अपने गांव की साफ–सफाई का ख्याल रखते हुए लोगो को स्वच्छ वातावरण में रहने के लिए जागरूक करते है। भविष्य में अपनी गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए ये युवा मछलीपालन के साथ–साथ महुआ की खरीद–बिक्री करना चाहते है और अपने आर्थिक विकास की ओर अग्रसर रहना चाहते है। युवा समूह के सदस्य जे0टी0डी0एस0 के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहते है कि इस परियोजना से उन्हे जिंदगी जीने की एक नई दिशा मिली है।

शीर्षक/कार्य : युवा समूह

समूह का नाम	गांव	पंचायत	प्रखंड	जिला
हिलमिल युवा समूह	सनसेवई	सेवई	सादर सिमडेगा	सिमडेगा

01 पुर्व की स्थिति

सनसेवई ग्राम, सादर सिमडेगा प्रखण्ड के सेवई पंचायत मे स्थित है, और जिला से 22 कि०मी० कि दूरी पर है, अन्य गाँव की तरह खेती यहाँ का मुख्य व्यवसाय है और पूर्ण रूप से वर्षा आधारित खेती है किया जाता है। यहाँ का युवा वर्ग पढ़ाई के साथ – साथ रोजी रोजगार के लिए शहर की और पलायन भी करता है, क्योंकि सिमडेगा जिला ओड़ीसा एवं छत्तीसगढ़ राज्य के सीमा से जुड़ा हुआ है, इसी कारण से खेती को छोड़ कई बार युवा पैसा कमाने के बाहर के राज्यों मे पलायन करते हैं।

02 JTPL परियोजना के बाद की स्थिति

जेटीईएलपी द्वारा 2015 में युवाओं के साथ समूह बना कर उनको आर्थिक रूप से स्वावलंबी एवं गाँव से पलायन रोकने एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर कर उनका मनोबल में बढ़ोत्तरी कर नशा और गलत रास्ते में चलने से रोकने के उद्देश्य से इन समहुओं का गठन कार्य शुरू किया गया। समूह के बनने से युवाओं की विचार एवं उनके सपनों को बैठक में चर्चा कर उनके सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक रुचि को देखते हुए कार्य योजना बनाने का कार्य शुरू किया गया। अब तक जेटीईएलपी के तहत युवा समूह को 40000 रु की बीज पूंजी एवं मुख्य मंत्री द्वारा 25000 रु का अनुदान राशि दिया गया है, जिससे की युवा समूह खुद के लिए कुछ व्यवसाय शुरू कर सकें।

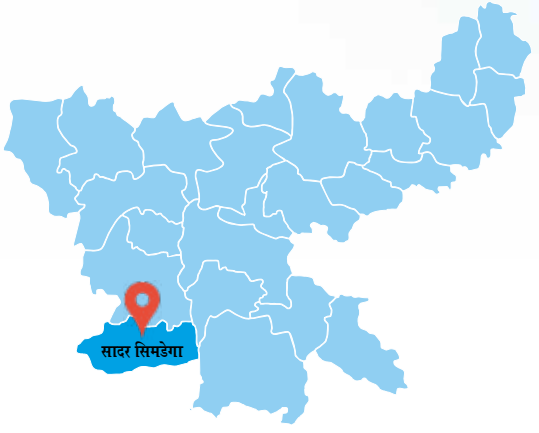

03 प्रभाव एवं भविष्य की योजना

हिलमिल युवा समूह ने भी इसी बीज पूंजी का उपयोग टेंट हाउस व्यवसाय के लिया किया है, क्योंकि यह गाँव बड़ी आबादी एवं क्षेत्रफल में भी बड़ा है, यह व्यवसाय ग्रामीणों के लिए लाभदायक था। कुल 60000 रु कि लगता से टेंट हाउस का व्यवसाय का कार्य वर्ष 2018 मे शुरू किया गया है। गाँव में होने वाले किसी भी समारोह मे सस्ते दर पर युवाओं ने टेंट सामाग्री देना का निर्णय लिया जिसे उनकी एक अलग पहचान एवं अधिक काम मिल सके, अब उचित मूल्य और कम खर्च मे यह सुविधा गाँव के सभी लोग के लिए उपलब्ध है। अब तक इस व्यवसाय से समूह ने कुल 14000 रु कि अमदनी प्राप्त कि गयी है, और गाँव में रह कर खुद को आर्थिक रूप से मजबूत करने का रास्ता निकाल लिया है। आने वाले समय मे इसे व्यवसाय को बड़े पैमाने से करने के साथ साथ, भविष्य में गाँव में होने वाले समारोह में पूर्ण भागेदारी जैसे केटरिंग की व्यवस्ता, नाचा गाने के लिए मंदार एवं नगाड़ा भी उबलब्ध करने का निर्णय लिया है, जिससे की एक हे जगह पर ,शादी जैसे समारोह के सभी सामाग्री उपलब्ध करा दी जा सके।